एम.एच.डी.-24

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए.हिन्दी)

एम.एच.डी.-24 : मध्यकालीन कविता - 2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोटः प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 2 x 10 = 20

(क) काह कामरी पामरी, जाड़ गये से काज।
रहिमन भूख बुझाइए, कैस्यो मिले अनाज।।

(ख) को है दमयंती इन्दुमती रति रातिदिन, होहि न छबीली छनछवि जो सिगारिये।
केशव लजात जलजात जातदेव ओप, जातरूप बापुरो विरूप सो निहारिये।
मदन निरूपम निरूपन निरूप भयो, चन्द्र बहुरूप अनुरूप कै विचारियै।
सीता जी के रूप पर देवता कुरूप को हैं, रूप ही के रूपक तो बारि बारि डारिये।

(ग) जेठ मास की दुपहरी, चली बाल पिय-भौन।
आगि लपट तीखन लुवैं, भए मलय के पौन।।

(घ) जवते कुँवर कान्ह रावरी कला निधान कानपरी वाके कहूँ सुजस कहानी सी।

तब हीते देवश्र देखे, देवतासी हंसति सी, खीझति सी रीझति सी, रुसति, रिसानी सी।

छोहीसी, छलीसी, छीनि लीनी सी, छकी सी, छिन जकी सी, टकी सी लागी, थकी थहरानी सी।

वीधी सी, वंधी, सी, विषय बूड़ी सी, विमोहित सी बैठी वह बकति, विलोकति विकानी सी।।

2. रीतिकालीन कविता के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 10

3. रहीम के काव्य की भाषागत विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 10

4. केशवदास के काव्य के भाव पक्ष का विश्लेषण कीजिए। 10

5. मतिराम के प्रकृति-वर्णन की विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: 2 x 5 = 10

(क) लक्षण ग्रंथ

(ख) रहीम के काव्य में भक्ति

(ग) कवि चिंतामणि

(घ) देव की कविता में प्रतीक विधान

—x—